Sem-5-Hindi-Core -304 (पत्रकारिता-सैध्दांतिक)

Unit-1 पत्रकारिता का स्वरूप

1.पत्रकारिताःपरिभाषा और तत्व

2.पत्रकारिता की आवश्यकता

3.विषय के आधारपर पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार

1.साहित्यिक 2.महिला 3.बाल 4.खेल 5.ग्रामीण

6.स्वास्थ्य पत्रकारिता

Unit-2 समाचार लेखन

1.समाचार की परिभाषा एवं तत्व

2.समाचार के विभिन्न स्रोत

3.समाचार की भाषा

Unit-3 संवाददाता और संपादक के कार्य

1.संपादक के गुण 2.संवाददाता की योग्यताएँ

2.पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन

1.संपादकीय 2.फीचर 3.रिपोतार्ज 4.साक्षात्कार

3 समाचारपत्र की प्रशासनिक तथा बिक्री एवं वितरण व्यवस्था

Unit-4 विज्ञापन और मुद्रणकला

1.विज्ञापन का महत्व, लाभ-हानि

2.मुद्रणकलाः प्रूफ शोधन

3.पृष्ठसज्जा एवं स्तंभ योजना

Unit: 1 [**पुस्तक का नामः आधुनिक पत्रकारिता**]
[**लेखक का नामः डॉ. अर्जुन तिवारी**]

Unit: 2 [**पुस्तक का नामः समाचार लेखन**]
[**लेखक का नामः डॉ.गुलाब कोठारी**]

Unit: 3 [**पुस्तक का नामः मीडिया लेखन**]
[**लेखक का नामः डॉ.चन्द्र प्रकाश**]

Unit:4 [**पुस्तक का नामः जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता**]
[**लेखक का नामः डॉ. अर्जुन तिवारी**]

<u>Unit-1 पत्रकारिता का स्वरूप</u>

प्रश्नः1 पत्रकारिताः परिभाषा और तत्व

**** भूमिकाः**

**** पत्रकारिता की परिभाषा/व्याख्या /स्वरूपः**

**** पत्रकारिता के तत्वः सूत्र– घमऔरो, उतप, नूअतावै, संसाआ**

1.घटना की सत्यता और नवीनता
2.महत्वपूर्णता
3.औत्सुक्यपूर्ण और ज्ञानवर्धकविवरण
4.रोचकता
5.उत्तेजकता
6.तटस्थता
7.परिवर्तन-सूचकता
8. नूतनता
9. अनोखापन
10. तात्कालिकता
11. वैयक्तिकता
12. संशय और रहस्य
13. सामीप्यःनिकटता
14. आकार और संख्या

प्रश्नः2 पत्रकारिता की आवश्यकता

**** भूमिकाः**

**** पत्रकारिता का कार्य**

1.जगतगुरु का रूपधारण करना
2.न्यायाधीश बनना
3.सफेदपोश नेताओं का चेहरा बेनकाब करना
4.समाज में उच्चमूल्यों और आदर्शो की स्थापना करना

**** पत्रकारिता के आदर्शः**

1.विश्व-बंधुत्व की भावना
2.जनसेवा
3.शांति-स्थापना

**** पत्रकारिता के उद्देश्य**

1.सत्य को उद्घाटित करना
2.सूचना प्रदान करना
3.शिक्षित करना
4.मनोरंजन करना

प्रश्नः3 विषय के आधारपर पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार

**भूमिकाः

** विषय के आधार पर पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारः

1.साहित्यिक पत्रकारिता

2.बाल पत्रकारिता

3.खेल पत्रकारिता

4.ग्रामीण पत्रकारिता

(क)ग्रामीण संस्कृति

(ख)ग्रामीण समाजशास्त्र

(ग)ग्रामीण अर्थशास्त्र

(घ)ग्रामीण प्रशाशन

(च)प्रतिनिधि ग्रामीण पत्र-पत्रिकाएँ

5.महिला पत्रकारिता

6.स्वास्थ्य पत्रकारिता

Unit-2 समाचार लेखन

प्रश्नः1.समाचार की परिभाषा एवं तत्व।

समाचार को अंग्रेजी में 'NEWS' कहा जाता है। हिन्दी में समाचार शब्द का अर्थ 'खबर' यानी कहीं भी घटित घटना की महत्वपूर्ण आवश्यक सूचना । हेडन के कोश के अनुसार देखें तो-- "सब दिशाओं की घटना को समाचार कहते है।" NEWS के चार अक्षर चार दिशाओं के आधारस्तंभ हैं---

N --- North------ उत्तर
E---- East ------ पूर्व
W--- West ------पश्चिम
S---- South -----दक्षिण

वर्तमान-युग समाचार-सूचनाओं का युग है । वह हमारी गतिविधियों का दर्पण(Mirror) है । पत्रकारिता का प्राणतत्व समाचार ही है । इस प्रकार देखें तो----

"मानव की ज्ञान-पिपासा तब शांत होती हैं जब वह समाचार सुन लेता है अथवा पढ लेता है ।"

❖ **समाचार की परिभाषाः**

(1) George H. Morris — "News is history in hurry ."
" समाचार जल्दी में लिखा गया इतिहास है।"

(2) Turner cattedge-- — "News is anything you did know yesterday."
" समाचार कोई ऐसी चीज है,जिसे आप कल तक नहीं जानते थे ।"

(3) प्रो.विलियम ब्लेयर-- — "अनेक व्यक्तियों की अभिरुचि जिस सामयिक बात में हो वह समाचार है।"

(4) के.एम. श्रीवास्तव-- — "समाचार उस सामयिक घटना का विवरण है, जो महत्वपूर्ण अथवा रुचिकर हो ।"

(5) के.पी.नारायण-- — "समाचार किसी सामयिक घटना का, महत्वपूर्ण तथ्यों का परिशुद्ध तथा निष्पक्ष विवरण होता है।"

(6) प्रेमनाथ चतुर्वेदी-- — "सूखे तथ्यों को समाचार नहीं माना जा सकता वे तथ्य ही समाचार है जो पाठक को रुचिकर प्रतीत होते है, व आनंद देते हैं ।"

❖ **समाचार के तत्वः** (ससननिन, स्पवै, ताउरोरअ)

1.सरलता	7.वैयक्तिकता
2.सत्यता	8.तारतम्यता
3.नवीनता	9.उध्धरण(कथन)
4.नयी मान्यताएँ	10.रोचकता
5.निकटता	11.रहस्योद्घाटन
6.स्पष्टता	12.अनुच्छेदों के आकार

❖ **निष्कर्ष–**

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि समाचार पत्रकारिता का क्षेत्र आज व्यापक और गतिशील है। आज समाचार जानना आधुनिक जीवन की अनिवार्यता है। डॉ. अर्जुन तिवारी लिखते हैं–

> "सरस, सामयिक और सत्य सूचना ही समाचार है ।"
>
> ('आधुनिक पत्रकारिता'–पुस्तक से)

प्रश्नः2.समाचार के विभिन्न स्रोत।

भूमिका प्रश्न 1 की लिखें ।

- **समाचार के विभिन्न स्रोतः**

एक अखबार में दुनियाभर की खबरें छपती हैं। इस समय मन में एक सवाल पैदा होता है कि अखबार को ये खबरें मिलती कहाँ से हैं। अखबार को ये खबरें जहाँ-जहाँ से मिलती हैं उसे समाचार के स्रोत कहते हैं। समाचार प्राप्ति के लिए निम्न लिखित स्रोत रहते हैं–

1.प्रत्याशित स्रोत
2.अप्रत्याशित स्रोत
3.पूर्वानुमानित स्रोत
4.विभिन्न संवाददाताओं द्वारा
5.अस्पताल
6.पुलिस विभाग
7.न्यायालय
8. सरकार के सूचना विभाग
9.समाचार समितियाँ
10.प्रेस विज्ञप्ति या रिलीज
11.विभागीय असंतुष्ट
12.प्रेसवार्ता और साक्षात्कार
13.भाषण या वक्तव्य या कथा

- **निष्कर्षः**

इस प्रकार समाचार के मुख्य स्रोतों में- प्रत्याशित स्रोत, अप्रत्याशित स्रोत, पूर्वानुमानित स्रोत ,विभिन्न संवाददाताओं द्वारा, अस्पताल,, पुलिस विभाग, न्यायालय, सरकार के सूचना विभाग, समाचार समितियाँ, प्रेस विज्ञप्ति या रिलीज, विभागीय असंतुष्ट प्रेसवार्ता और साक्षात्कार, भाषण या वक्तव्य या कथा आदि हैं ।

प्रश्नः3 समाचार की भाषा ।

समाचार प्राप्त कर लेना यदि पत्रकार की प्राथमिक विशेषता है तो उसका **सटीक** और **प्रभावी** समाचार की भाषा का लेखन भी कम महत्वपूर्ण नहीं। समाचार की भाषा के लेखन में वही पत्रकार सफल माना जाता है, जो भाषाविद हो । **सरल ,सुस्पष्ट** और **चटपटी भाषा** में लिखित समाचार सबको ग्राह्‌य हो जाता है। **डॉ. स्मिता मिश्र** लिखती है—

> **"समाचार चाहे मुद्रित हो या दृश्य-श्रव्य, उन्हें अभिव्यक्त करने का सर्वाधिक, समर्थ, और एकमात्र माध्यम भाषा ही है ।"**
> **('भारतीय मीडियाः अंतरंग पहचान'–पुस्तक से)**

- **समाचार की भाषाः**

(1) समाचार पत्रों की भाषा के विविध रूप--
(2) समाचार पत्रों की भाषा की विशेषताएँ--
(3) समाचार पत्रों की अटपटी हिन्दी भाषा के उदाहरण--

- निष्कर्षः

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि समाचारों की भाषा **सहज,** और **सरल** होनी चाहिए । **वाक्य छोटे** एवं **रसपूर्ण** होने चाहिए । इस प्रकार---

> **"समाचारों की भाषा जनसामान्य को आसानी से समझ में आने वाली होनी चाहिए ।"**

<u>Unit-4 विज्ञापन और मुद्रणकला</u>

<u>प्रश्नः1 विज्ञापन का महत्व, लाभ-हानि</u>

प्रश्नः <u>विज्ञापन का महत्वः</u>

विज्ञापन को अंग्रजी में **<u>'Advertisement'</u>** कहा जाता है । इस शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द **<u>'स्वरटिर'</u>** से हुई, जिसका अर्थ होता है—--**<u>'सूचित करना'</u>** । **<u>फिल्म, रेडियो, टेलीविजन, पोस्टर्स, साइनबोर्ड, सिनेमास्लाइड और समाचारपत्र</u>** आदि अनेक माध्यमों से विज्ञापन होता है । परन्तु सबके लिए समाचारपत्र ही सर्वाधिक एवं उपयोगी सिद्ध होता है । अंग्रेजी आलोचक **<u>ब्रिट</u>** ने लिखा है—

> **"बिना विज्ञापन व्यापार करना किसी खूब-सूरत लडकी को अँधेरे में आँख मारना है । तुम जानते हो कि उस समय तुम क्या कर रहे हो पर दूसरा कोई नहीं जानता ।"**

- **<u>विज्ञापन का महत्वः</u>**
  - (1) मार्केटिंग के चार आधार--
  - (2) विज्ञापन की विशेषताएँ—
  - (3) विज्ञापन के अलग-अलग पक्ष-
- **<u>निष्कर्षः</u>** निष्कर्षतः विज्ञापन का महत्व आज दिन-प्रतिदिन बढता जा रहा है । डॉ. रामगोपालसिंह लिखते हैं कि—

> **"आज विज्ञापन मीडिया की आय का अच्छा जरिया सिद्ध हो गया है ।"**

प्रश्नः विज्ञापन से लाभ-हानिः ---- भूमिका प्रश्न 1 Unit -4 वाली

- **<u>विज्ञापन से लाभः</u>** -------------------(1) वस्तु की जानकारी

(वध्यारूछा, क्रआविब्रा, सस) (2) ध्यान आकर्षण

(3) रूचि उत्पन्न करना

(4) छाप छोडना

(5) क्रय की इच्छा

(6) आवश्यकता का अनुभव

(7) विक्रय-वृद्धि

(8) ब्रांड की छवि बनाना

(9) समाज के उत्थान के लिए

(10) समय का सदुपयोग

- **<u>विज्ञापन से हानिः</u>**--- (1) गलत दावा करना

(गव्य, वसजाना, अउ) (2) व्यवधान बनाना

(3) वस्तु का मूल्य बढ जाना

(4) समाज में अश्लीलता को बढावा देना

(5) जादुई चमत्कार दिखाना

(6) नारी शक्ति का अपमान

(7) अशिक्षित और गरीब के लिए नहीं के बराबर

(8) उच्चारण की और भाषा की सावधानी रखना

- **<u>निष्कर्षः</u>** इस प्रकार विज्ञापनों के भीतर दोनों पहलू देखे जाते है एक लाभ दूसरा हानि ।

डॉ.मधुधवन लिखती हैं-- **“ विज्ञापन वस्तुओं अथवा सेवाओं की बिक्री का एक महत्वपूर्ण साधन है । इसका प्रमुख कार्य सूचना देना है जिसमें एक प्रकार की प्रेरणा होती है ।”**